

भारत सरकार
इस्पात मंत्रालय
राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 951

11 दिसंबर, 2023 को उत्तर के लिए

सड़क निर्माण हेतु इस्पात संयंत्र के कचरे का उपयोग

951. श्री नीरज डांगी :

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या देश के विभिन्न इस्पात संयंत्रों से प्रतिवर्ष कई लाख टन कचरा निकलता है;
- (ख) यदि हां, तो प्रतिवर्ष निकलने वाले कचरे का ब्यौरा क्या है;
- (ग) क्या देश में गुजरात राज्य के हजीरा में 1 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण इस्पात संयंत्र के कचरे से किया गया है;
यदि हां तो, तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (घ) क्या सरकार का आने वाले दिनों में देश के अलग-अलग राज्यों में राजमार्ग निर्माण हेतु इस्पात संयंत्र के कचरे का उपयोग करने का कोई प्रस्ताव है; और
- (ङ) क्या इस प्रकार के इस्पात संयंत्र के कचरे से निर्मित सड़कें सुरक्षित हैं; यदि हां तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री

(श्री फग्गन सिंह कुलस्ते)

(क) और (ख): जी हां। इस्पात उत्पादन के दौरान स्टील स्लैग एक ठोस अपशिष्ट के रूप में उत्पन्न होता है। एकीकृत इस्पात संयंत्रों में प्रत्येक टन इस्पात उत्पादन से लगभग 180-200 किलोग्राम स्टील स्लैग उत्पन्न होता है जो वार्षिक रूप से 15 मिलियन टन स्टील स्लैग के लगभग होता है।

(ग): जी हां। इस्पात मंत्रालय ने इस्पात उद्योग के सहयोग से सीएसआईआर-सीआरआरआई द्वारा संचालित "सड़क निर्माण में स्टील स्लैग के उपयोग के लिए डिजाइन दिशानिर्देशों तथा विशिष्टताओं का विकास" नामक एक आरएंडडी परियोजना का वित्तपोषण किया है। इस आरएंडडी परियोजना के अंतर्गत बिटुमिनस पेवमेंट की सभी परतों में प्राकृतिक एग्रीगेट्स के विकल्प के रूप में प्रसंस्कृत स्टील स्लैग एग्रीगेट्स का उपयोग करते हुए सूरत, हजीरा में मई, 2022 में एनएच-6 को हजीरा बंदरगाह से जोड़ने वाले भारत की पहली 6 लेन वाली स्टील स्लैग आधारित सड़क का निर्माण किया गया था। इस एक किलोमीटर लंबे प्रायोगिक खंड में हजीरा स्थित आर्सेलर मित्तल निष्पादन स्टील (एएमएनएस) के प्रसंस्कृत इलैक्ट्रिक आर्क फर्नेस (ईएएफ)/ कोनार्क स्लैग का प्रयोग किया गया है।

(घ) और (ङ.): सीएसआईआर-सीआरआरआई द्वारा तैयार की गई तथा ऊपर उल्लिखित आरएंडडी परियोजना के एक भाग के रूप में स्टील स्लैग आधारित सड़कों के निर्माण के लिए मसौदा दिशानिर्देशों को भारतीय सड़क कांग्रेस तथा सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के साथ साझा किया गया है। उपर्युक्त दिशानिर्देशों को अंतिम रूप दिए जाने पर सड़क निर्माण एजेंसियां प्रौद्योगिक-आर्थिक व्यवहार्यता के आधार पर प्रसंस्कृत स्टील स्लैग का प्रयोग करने के लिए स्वतंत्र होंगी।
